**औद्योगिक ववाद अधिनियम, 1947 की धारा 33-क के अधीन परिवाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ परीवादी

बनाम

**कखग**  ......... विरोधी पक्षकार

याची अति सादर पूर्वक यह निवेदन करता है कि विरोधी पक्षकार को इसमें इसके नीचे यथा वर्णित औद्योगिक विवाद अधिनियम, (1947 का XIV) की धारा 33 के उपबंधों के उल्लंघन में दोषी बनाया गया है।

उस रीति को प्रदर्शित करने वाली संक्षिप्त विशिष्टियों जिसमें अभिकथित उल्लंघन किया गया है और वे आधार जिन पर प्रबन्ध के आदेश को चुनौती दी जाती है, उपवर्णित करें।

**प्रार्थना**

परिवादी तद्नुसार प्रार्थना करता है कि अधिकरण इसमें ऊपर उपवर्णित किये गये परिवाद का विनिश्चय करने तथा ऐसे आदेश या आदेशों को पारित करने की कृपा करें जिन्हें उपयुक्त एवम् उचित समझा जाय।

परिवाद के प्रतिनिधियों की संख्या .............. तथा औद्योगिक विवाद (केन्द्रीय नियम) 1947 को इसके साथ उपाबद्ध किया जाता है और उपाबन्ध ............... के रूप में चिन्हांकित किया जाता है।

स्थान परिवादी

तारीख

**सत्यापन**

में एतदद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् घोषणा करता हूँ, कि जो ऊपर पैरा ............................में कथन किया जाता है, वह मेरी जानकारी में सत्य है, और जो ऊपर पैरों ............... में कथन किया जाता है वह प्राप्त की गयी सत्य होने के लिए मेरे द्वारा विश्वास की गयी सूचना पर कही जाती है।

.............. में इस तारीख ............. को सत्यापित किया गया।

परिवादी